

जागो तो एक बार हिन्दू जागो तो संघगीत लिरिक्स



जागो तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

जागे थे गुरु गोविन्द प्यारे,
देश पे चारो बच्चे वारे,
चुनवा दिए दिवार,
हिन्दू जागो तो,
जागो तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

जागी थी झांसी की रानी,
नारी थी पर हार ना मानी,
चमक उठी तलवार,
हिन्दू जागो तो,
जागो तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

जागे थे राणा शिवाजी,
मार भगाये मुल्ले काजी,
मच गयी हाहाकार,
हिन्दू जागो तो,
जागो तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

जागे थे भगत सिंह प्यारे,
असेम्बली में बम दे मारे,
हो गई जय जयकार,
हिन्दू जागो तो,
जागो तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।



भारत माँ की जय जय कर दी,
ऐसी भरी हुंकार,
हिन्दू जागो तो,
जागों तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

भारत माँ के सपूत जागे,
कश्मीर में ध्वज लहराए,
भागे आतंकवाद,
हिन्दू जागो तो,
जागों तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

हिन्दू जागे देश जागे,
देश के सब दुश्मन भागे,
बने ये हिन्दु राष्ट्र,
हिन्दू जागो तो,
जागों तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

जागो तो एक बार,
हिन्दू जागो तो।bd।

गायक – बसंत आचार्य ।
प्रेषक – अंतर राणा ।
9868572816
